युवाओं को सार्थक तरीके से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल करने की आवश्यकता है - लोक सभा अध्यक्ष

लुसाका, 21 मार्च, 2016 : लुसाका (जाम्बिया) में 134वें अंतर संसदीय संघ सम्मेलन में "युवाओं की सहभागिता से लोकतंत्र को मजबूत बनाना", विषय पर बोलते हुए लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि युवाओं को सार्थक तरीके से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल करने की आवश्यकता है और युवाओं की अधिक भागीदारी से व्यवस्था में एक नए जोश और उत्साह का संचार होगा ।

यह टिप्पणी करते हुए कि युवा हमेशा देश की बहुत बड़ी सम्पत्ति होते हैं, श्रीमती महाजन ने कहा कि हमें उनकी क्षमता का सार्थक ढंग से उपयोग करना चाहिए। यदि व्यवस्था में उनकी शक्ति का उपयोग सही ढंग से किया जाता है तो इससे लोकतंत्र का ताना-बाना मजबूत होता है, विकास प्रक्रिया में तेजी आती है तथा सामाजिक सद्भाव बढ़ता है । उन्होंने कहा कि यदि युवा शक्ति का उचित उपयोग नहीं होता है, तो वे गलत रास्ते पर जा सकते हैं जिससे समाज के व्यापक हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसकी लगभग 27.5% जनसंख्या 15-29 आयु वर्ग में है । अगले बीस वर्षों में, इन आंकड़ों में वृद्धि होने जा रही है, अतः उन्हें प्रणाली का एक सक्रिय भाग बनाना आवश्यक है । उन्होंने विशिष्ट सभा को जानकारी दी कि युवाओं में नेतृत्व के गुण और सेवा भाव विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम शुरू किया गया था। वर्तमान सरकार ने लोगों को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्किल इंडिया तथा युवा उद्यमिता और रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के लिए स्टार्ट अप इंडिया जैसी उल्लेखनीय पहलें की हैं ।राष्ट्रीय युवा नीति को हमारे देश में 2014 में पुनः शुरू किया गया था, जिसका एक प्रमुख क्षेत्र "राजनीति और शासन में युवाओं की भागीदारी" है।

श्रीमती महाजन ने सभासदों को यह भी बताया कि भारत महान भारतीय सुधारक स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन, 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाता है और यह भी कहा कि स्वामी जी का युवाओं में गहरा विश्वास था और उन्होंने युवाओं को खुद पर भरोसा रखते हुए "उठने और निष्क्रियता से जागने" का सन्देश दिया था । उन्होंने इस बात का भी

उल्लेख किया कि युवाओं के बारे में बात करते हुए स्वामीजी ने कहा था : "उनके हृदय में जोश हो, मन में शक्ति, लोहे का शरीर और फौलादी इरादे हों"।

श्रीमती महाजन लुसाका (जाम्बिया) में 19 से 23 मार्च, 2016 तक आयोजित किये जा रहे 134वें अंतर संसदीय संघ सम्मेलन में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं।